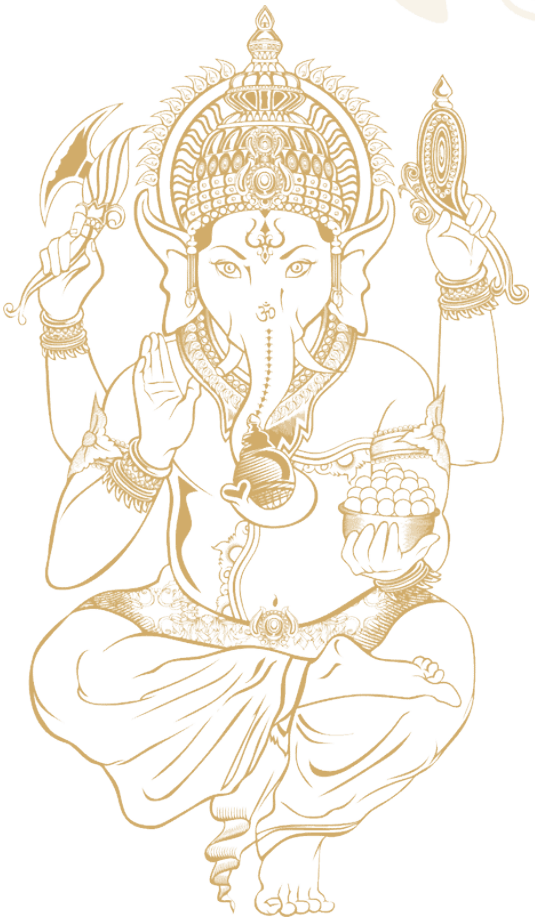

Nilesh

Tulika

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120878203

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
13/11/1999	जन्म तिथि	09/10/2000
शनिवार	दिन	सोमवार
घंटे 20:41:00	जन्म समय	13:30:00 घंटे
घटी 35:21:20	जन्म समय(घटी)	18:18:13 घटी
India	देश	India
Mainpuri	स्थान	Lucknow
27:14:00 उत्तर	अक्षांश	26:50:00 उत्तर
79:01:00 पूर्व	रेखांश	80:54:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:13:56	स्थानिक संस्कार	-00:06:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:32:27	सूर्योदय	06:02:58
17:23:46	सूर्यास्त	17:43:59
23:51:03	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:47

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 0वर्ष 4मा 11दि		16:53:14	मिथु	लग्न	मक	02:07:11	मंगल 0वर्ष 11मा 21दि	
राहु		26:56:20	तुला	सूर्य	कन्या	22:28:06	गुरु	
27/03/2023		26:25:21	धनु	चंद्र	कुंभ	04:48:40	30/09/2019	
26/03/2041		26:31:45	धनु	मंगल	सिंह	20:09:08	30/09/2035	
राहु	07/12/2025	02:15:29	वृश्चि व	बुध	तुला	17:35:49	गुरु	18/11/2021
गुरु	02/05/2028	03:24:34	मेष व	गुरु व	वृष	17:12:37	शनि	31/05/2024
शनि	09/03/2031	11:00:26	कन्या	शुक्र	तुला	24:03:48	बुध	06/09/2026
बुध	25/09/2033	19:16:52	मेष व	शनि व	वृष	06:28:46	केतु	13/08/2027
केतु	13/10/2034	12:52:00	कर्क व	राहु व	मिथु	26:54:07	शुक्र	13/04/2030
शुक्र	13/10/2037	12:52:00	मक व	केतु व	धनु	26:54:07	सूर्य	30/01/2031
सूर्य	07/09/2038	19:12:21	मक	हर्ष व	मक	23:09:21	चन्द्र	31/05/2032
चन्द्र	08/03/2040	07:59:49	मक	नेप व	मक	09:56:17	मंगल	07/05/2033
मंगल	26/03/2041	15:44:50	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	16:56:47	राहु	30/09/2035

लग्न-चलित

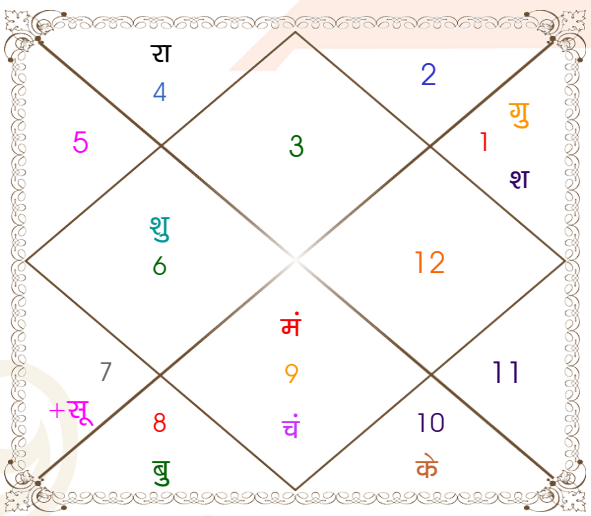

लग्न-चलित

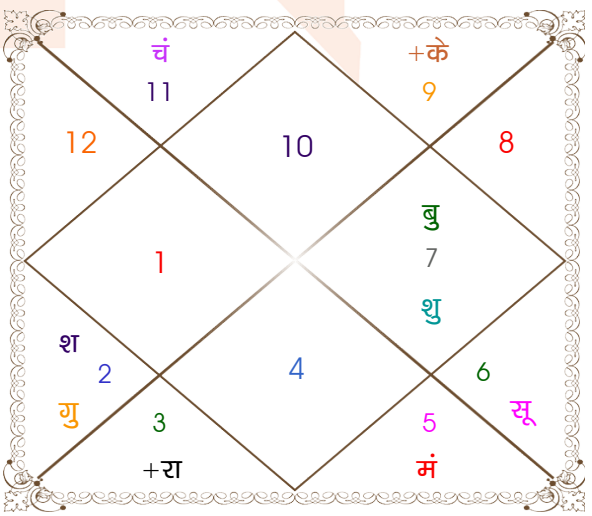

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	सिंह	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शनि	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	धनु	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	15.50		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

Nilesh का वर्ग श्वान है तथा ज्नसपां का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Nilesh और ज्नसपां का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Nilesh मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Nilesh कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि Nilesh कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

ज्नसपां मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु ज्नसपां कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Nilesh कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Nilesh तथा ज्नसपां में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।